उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय

सेक्टर–एफ, शान्तिपुरम् (फाफामऊ), इलाहाबाद–211021

राष्ट्रीय संगोष्ठी

''पत्रकारिता के नये आयाम''

"New Dimensions of Journalism"

26–27 दिसम्बर, 2017

पंजीकरण–प्रपत्र

नाम :.....

पद :.....

संस्था / विश्वविद्यालय.....:.....

.....:.....

विशेषज्ञता : .....

पत्राचार का पताः .....

.....

.....

दूरभाष संख्या : .....

मोबाइल नं. :.....

ई–मेल : .....

शोध–पत्र (एकल / समूह) का शीर्षक : .....

.....

ठहरने की व्यवस्था (यदि अपेक्षित हो): हॉ / नहीं

आगमन की तिथिः .....

समय : .....

प्रस्थान तिथि : .....

समय : .....

शुल्क :– 500 / – नगद / ड्राफ्ट / ई पेमेंट

दिनांक

हस्ताक्षर

संरक्षक

प्रो. एम.पी. दुबे
कुलपति
उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

संगोष्ठी निदेशक
डॉ0 आर.पी.एस. यादव
निदेशक मानविकी विद्याशाखा

संयोजक

डॉ0 साधना श्रीवास्तव
असि. प्रोफेसर, पत्रकारिता एवं जनसंचार
उ0प्र0रा0ट0मु0वि0वि0,इलाहाबाद

आयोजन–सचिव

डॉ0 सतीश चन्द्र जैसल
असि. प्रोफेसर, पत्रकारिता एवं जनसंचार
उ0प्र0रा0ट0मु0वि0वि0,इलाहाबाद

समन्यवक

डॉ0 राम जी मिश्रा
डॉ0 अतुल मिश्रा
डॉ0 प्रभात चन्द्र मिश्रा

परामर्श बोर्ड

प्रो0 पी0के0 पाण्डेय
प्रो0 सुधांषु त्रिपाठी
प्रो0(डॉ0) जी.एस.शुक्ल
डॉ0 आशुतोष गुप्ता
डॉ0 ओम जी गुप्ता
डॉ पी0पी0 दुबे
डॉ0टी0 एन0 दुबे
डॉ0 इति तिवारी

कार्यकारी बोर्ड

डॉ0 संतोषा कुमार
डॉ0 रुचि बाजपेई
डॉ0 श्रुति
डॉ0 मीरा पाल
डॉ0 ज्ञान प्रकाष यादव
डॉ0 विनोद कुमार गुप्त
डॉ0 आर.जे. मौर्य
डॉ0 दिनेश कुमार
डॉ0 जी.के.द्विवेदी
डॉ0 मुकेश कुमार

आयोजन समिति

श्री सुनील कुमार
श्री मनोज बलवन्त
डॉ0 शैलेस कुमार यादव
डॉ0 अब्दुल हफीज
डॉ0 गौरव संकल्प
डॉ0 रंजना श्रीवास्तव
श्री आई.बी.पाण्डेय
कु0 मारिषा
डॉ0 अल्का वर्मा
डॉ0 स्मिता अग्रवाल
डॉ0 दीप शिखा श्रीवास्तव
डॉ0 दिनेष गुप्ता
डॉ0 रमेश चन्द्र यादव
डॉ0 नीता मिश्रा

तकनीकि समिति

श्री नीरज मिश्रा
श्री धीरज रावत
श्री शिवम मिश्रा
श्री शहबाज अहमद

राष्ट्रीय संगोष्ठी

''पत्रकारिता के नये आयाम''

"New Dimensions of Journalism"

26–27 दिसम्बर, 2017

संरक्षक
प्रो0 एम. पी. दुबे
कुलपति

संगोष्ठी निदेशक
डॉ0 आर.पी.एस. यादव
निदेशक मानविकी विद्याशाखा

संयोजक
डॉ0 साधना श्रीवास्तव
असि. प्रोफेसर
पत्रकारिता एवं जनसंचार
उ0प्र0रा0ट0मु0वि0वि0,
इलाहाबाद

आयोजन–सचिव
डॉ0 सतीश चन्द्र जैसल
असि. प्रोफेसर
पत्रकारिता एवं जनसंचार
उ0प्र0रा0ट0मु0वि0वि0,
इलाहाबाद

समन्यवक

डॉ0 राम जी मिश्रा
डॉ0 अतुल मिश्रा
डॉ0 प्रभात चन्द्र मिश्रा

आयोजक

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय इलाहाबाद
(UPRTOU)

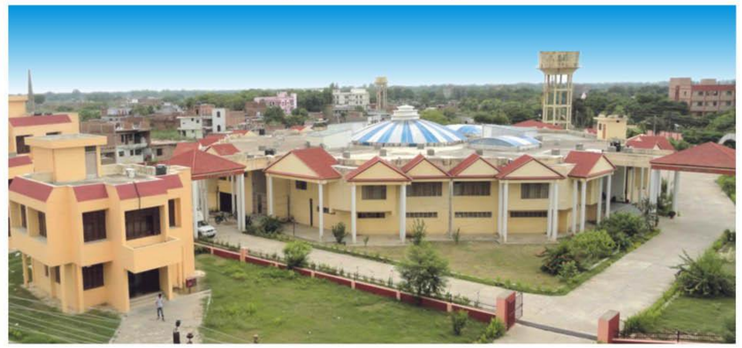

संगोष्ठी स्थल
शैक्षणिक परिसर
उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय
सेक्टर–एफ, शान्तिपुरम् (फाफामऊ), इलाहाबाद–211021
मोबाइल नम्बर–07525048149, 07525048150
E-mail- mediaseminar17.uprtou@gmail.com

सेमिनार के बारें में –

एक विषय के रूप में पत्रकारिता और जनसंचार का विशेश महत्व है। संचार माध्यमों से जुड़े बिना किसी समाज, राज्य व देश के आर्थिक, सामाजिक और राजनैतिक विकास की कल्पना नहीं की जा सकती। प्रिंट हो या इलेक्ट्रानिक या फिर वेब मीडिया सभी किसी ना किसी रूप में समाज और सरकार के बीच एक सेतु का कार्य करती है। सूचना, शिक्षा, मनोरंजन के मूल उद्देश्यों के परिपेक्ष्य में मीडिया समाज में समाचार व विविध प्रकार की घटनाओं की सूचना, जानकारी व मनोरंजन सम्बन्धी आवश्यकताओं को भली–भॉति पूरा करती है। साथ ही पत्रकारिता एवं जनसंचार के क्षेत्र में रोजगार की अपार सम्भावनाएं जो सरकारी, गैर सरकारी संस्थानों, मीडिया हाउस, विज्ञापन ऐजेंसी, समाचार चैनलों, समाचार पत्र कार्यलयों, रेडियो, टेलीविजन, जनसम्पर्क विभागों जैसे ऐसे अनेक क्षेत्रों मे है जहाँ पत्रकारिता और जनसंचार विषय का शिक्षण प्रशिक्षण इन क्षेत्रों में रोजगार दिलाने में मदद कर रही हैं। फिल्म भी शिक्षा का उपयोगी साधन है जो मनोरंजन के साथ–साथ शिक्षण का कार्य भी कर सकती है। फिल्म शिक्षण का एक प्रभावी माध्यम है।

उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा विभिन्न स्तर पर शैक्षणिक पाठ्यक्रम संचालित कर छात्रों में पत्रकारिता एवं जनसंचार के क्षेत्र में प्रिन्ट मीडिया, इलेक्ट्रानिक मीडिया, फिल्म, फोटोग्राफी, ग्रामीण पत्रकारिता, वेब पत्रकारिता व ई–जर्नलिज्म जैसे क्षेत्रों की प्रोफेशनल समझ विकसित करने में महत्वपूर्ण कार्य रहा है। रोजगार के सम–सामयिक अवसरों को दृष्टिगत रखते हुए नवीन पाठ्यक्रमों का संचालन इस दिशा में महत्वपूर्ण प्रयास कहा जा सकता है। जिससे शिक्षार्थी इलेक्ट्रानिक मीडिया प्रबन्धन एवं फिल्म प्रोडक्शन, समाचार–पत्र, सरकारी गैर सरकारी संस्थानों, मीडिया हाउस, विज्ञापन ऐजेंसी, समाचार चैनलों, समाचार पत्र कार्यलयों, रेडियो, टेलीविजन, जनसम्पर्क विभागों में रोजगार प्राप्त कर सके और अपना सामाजिक दृष्टिकोण भी विकसित कर सके ।

भारत के सामाजिक सांस्कृतिक एवं आर्थिक विकास को तीव्र गति प्रदान करने में जनसंचार माध्यमों की सकारात्मक उपयोगिता सुनिश्चित करना समय की मॉग है। भारत में विकास योजनाओं के क्रियान्वयन में जनसंचार माध्यमों की सहभागिता एवं रोजगार तथा तकनीकी व सामाजिक विकास जैसे विभिन्न पहलुओं पर विचार विमर्श प्रस्तावित संगोष्ठी का केन्द्रिय विषय है। 'पत्रकारिता के नये आयाम ' विषयक प्रस्तावित राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्देश्य विषय की गहनता व पक्ष विपक्ष को स्पष्ट रूप से प्रस्तुत करना है।

संगोष्ठी के तकनीकी सत्र
प्रथम दिवस

1. उद्घाटन सत्र

प्रथम सत्र :

1. पत्रकारिता एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता।
2. पत्रकारिता एवं सामाजिक दायित्व।
3. पत्रकारिता और फोटोग्राफी
4. ई जर्नल्जिम ,वेब पत्रकारिता
5. फिल्म पत्रकारिता

लंच के बाद

द्वितीय सत्र

6. राष्ट्रवादी और सांस्कृतिक पत्रकारिता
7. आर्थिक पत्रकारिता
8. लाइफ स्टाइल एवं फैशन पत्रकारिता
9. शिक्षा, साहित्य और पत्रकारिता
10. स्वास्थ्य पत्रकारिता

संगोष्ठी के तकनीकी सत्र
द्वितीय दिवस

प्रथम सत्र :

11. साइबर क्राइम , सूचना प्रौद्यागिकी कानून, और पत्रकारिता ।
12. ग्रामीण पत्रकारिता
13. मीडिया मैनेजमेन्ट
14. विज्ञान पत्रकारिता
15. स्वच्छ भारत मिशन और पत्रकारिता

लंच के बाद

द्वितीय सत्र

16. विज्ञापन और पत्रकारिता
17. जनसम्पर्क और पत्रकारिता
18. विकास पत्रकारिता
19. इलेक्ट्रानिक पत्रकारिता
20. पत्रकारिता के नये आयाम सम्भावना और चुनौतियाँ।

2. समापन सत्र

शोधपत्र प्रेषण हेतु निर्देश–

प्रतिभागी ए4 साइज में शोधपत्र सार हिन्दी में Kruti Dev 10 एवं अंग्रेजी में Times New Romen 12 के फाण्ट में (जो 150 शब्दों से 200 शब्दों का हो) आयोजन सचिव के अधोनिर्दिष्ट ई–मेल पर दिनांक 14 दिसम्बर, 2017 तक अवष्य प्रेषित करें। स्तरीय शोधपत्रों को ही वाचन की अनुमति दी जाएगी। शोध–पत्र वाचन से पूर्व पूर्ण शोध–पत्र की हार्ड एवं सॉफ्ट कापी जमा करना अनिवार्य है।

सभी प्रतिभागीगण से अनुरोध है कि लगभग 200 शब्दों में सारांशिका 14 दिसम्बर, 2017 या इसके पूर्व एवं पूर्ण शोध पत्र जो कि 3000 शब्दों से अधिकतम न हो, को 18 दिसम्बर, 2017 या इसके पूर्व एम.एस. वर्ड टाइम्स न्यू रोमन, फान्ट आकार 12 अंग्रेजी हेतु तथा क्रुतिदेव 10, फान्ट आकार 16 हिन्दी हेतु, ई–मेल पर अपनी प्रस्तुतियों को भेजेंगे। सभी लेखकों को शोधपत्र की स्वीकृतियाँ प्रेषित की जायेंगी। चयनित शोध पत्रों को आई0एस0बी0एन0 सहित सम्पादित पुस्तक में प्रकाशित करने की योजना, उनकी पर्याप्त उपलब्धता पर ही है।

पंजीकरण शुल्क 500/–रु0

सभी प्रतिभागियों के लिए अग्रिम पंजीकरण अनिवार्य है। पंजीकरण शुल्क 'वित्त अधिकारी, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद' के पक्ष में निर्गत बैंक ड्राफ्ट (या नकद भुगतान) द्वारा पंजीकरण फार्म के साथ जमा किया जा सकता है। मनीआर्डर अथवा चेक के माध्यम से शुल्क स्वीकार नहीं किया जाएगा। प्रतिभागियों को 26 दिसम्बर, 2017 को रिसेप्शन काउण्टर पर प्रातः 9:30 से 10:30 के मध्य अपनी उपस्थिति सुनिश्चित करानी होगी। प्रतिभागियों को किसी प्रकार का यात्रा–भत्ता देय नहीं होगा।

आवासीय व्यवस्था–

विश्वविद्यालय परिसर में स्थित अतिथि–गृह में अतिथियों की पूर्व सूचना के अनुरूप संगोष्ठी के दिन आवास की व्यवस्था की जाएगी।

यात्रा भत्ता/भोजन एवं ठहरने के लिए –

प्रतिभागियों अपने यात्रा/रहने का खर्च स्वयं वाहन करेंगे। राजर्शि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद द्वारा केवल जलपान, मध्यान्ह भोजन की व्यवस्था उपलब्ध होगी। आमंत्रित सदस्य/विषेशज्ञों को यात्रा–भत्ता एवं अन्य सुविधाएँ उपलब्ध होगी।

शोध–पत्र भेजने का पता

मानविकी विद्याशाखा शैक्षणिक परिसर

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय

सेक्टर–एफ, शान्तिपुरम् (फाफामऊ), इलाहाबाद–211021

मोबाइल नम्बर–07525048149, 07525048150

E-mail- prmasscomuprtou@gmail.com,
mediaseminar17.uprtou@gmail.com

महत्वपूर्ण तिथियाँ :

सारांषिका जमा करने की अंतिम तिथि 14 दिसम्बर–2017

पूर्ण शोध पत्र जमा करने की अंतिम तिथि 18 दिसम्बर –2017

विश्वविद्यालयः एक दृष्टि में–

इस विश्वविद्यालय की स्थापना उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, अधिनियम 1999 उत्तर प्रदेश (अधिनियम संख्या–10, 1999) के अन्तर्गत हुई। इस विश्वविद्यालय को दूरस्थ शिक्षा योजना के अन्तर्गत एक मुक्त विश्वविद्यालय, बनाया गया, जिससे पूरे उत्तर प्रदेश में सुनियोजित ढंग से उच्च शिक्षा का प्रचार एवं प्रसार दूरस्थ प्रणाली के माध्यम से संचालित हो सके। आबादी के एक बड़े क्षेत्र मे काम कर रहे लोगों, गृहणियों और अन्य वयस्कों को उच्च शिक्षा से जोड़ने तथा उनके उन्नत भविष्य के लिए ज्ञानार्जन हेतु विश्वविद्यालय की स्थापना हुई। अपने स्थापनाकाल से ही विश्वविद्यालय दूरदराज और ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के रूप में आबादी के बड़े क्षेत्रों और विशेष रूप से, वंचित समूहों में, के लिए उच्च शिक्षा के लिए पहुँच प्रदान करने की योजना काम पर काम कर रहा है।

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय उत्तर प्रदेश सरकार का एक मात्र मुक्त विश्वविद्यालय है। इस विश्वविद्यालय का नामकरण हिन्दी के प्रबल समर्थक, प्रख्यात स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, भारतरत्न राजर्षि पुरुषोत्तम दास टण्डन के नाम पर किया गया। यह विश्वविद्यालय गृहणियों, विकलांगों, दलितों, आर्थिक रूप से विपन्न वर्ग, सेवारत व्यक्तियों तथा सुदूर ग्रामीण अंचलों के निवासियों तक उच्च शिक्षा को पहुँचाने के लिए दृढ़ संकल्प है। अत्यल्प समय में ही इस विश्वविद्यालय ने उच्च शिक्षा के क्षेत्र में नवीन कीर्तिमान स्थापित किए हैं।इस विश्वविद्यालय का कार्यक्षेत्र सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश है। यह विश्वविद्यालय अध्ययन केन्द्रों तथा क्षेत्रीय केन्द्रों के माध्यम से उच्च शिक्षा के प्रकाश को जन–जन तक पहुँचा रहा है।

विश्वविद्यालय का मुख्यालय सेक्टर–एफ, शांतिपुरम्, फाफामऊ, इलाहाबाद में स्थित है। इलाहाबाद रेलवे जंक्शन से विश्वविद्यालय की दूरी लगभग 15 किमी. तथा बस स्टैण्ड से लगभग 13 किमी. है। विश्वविद्यालय आने–जाने के लिए यातायात की सुविधाएँ सदैव उपलब्ध रहती हैं।

इलाहाबाद एक दृष्टि में–

इलाहाबाद का प्राचीन नाम प्रयाग है। गंगा, यमुना एवं अन्तःसलिला सरस्वती के पावन तट पर स्थित प्रयाग के वर्णन से सभी धार्मिक एवं साहित्यिक वाङ्मय भरे–पड़े हैं। गंगा, यमुना एवं सरस्वती की त्रिवेणी के साथ–साथ यहाँ अध्यात्म, राजनीति एवं साहित्य की भी त्रिवेणी प्रवाहित है। शैक्षाणिक उपलब्धियों और कला संस्कृति की नगरी का अपना भव्य इतिहास है। यहाँ संगम के तट पर प्रत्येक वर्ष माघमेला तो बारह वर्षों के अन्तराल पर विश्वप्रसिद्ध कुम्भ मेला का आयोजन होता है। इलाहाबाद की इस पावन धरती पर अनेक महापुरुषों ने जन्म लिया है। फरवरी महीने में इलाहाबाद का मौसम सामान्य एवं खुशनुमा रहता है।